भीलवाड़ा फोकस

भीलवाड़ा की बात, फोकस के साथ.....

DIGITAL – EPAPER

RNI No. : RJHIN/25/A0890

वर्ष - 01 | अंक - 158 | प्रधान संपादक - कपिल विजयवर्गीय | बिजौलिया - बुधवार ,26 नवम्बर,2025 | मूल्य - 1 रुपया | मो.- 86967 95959 | पृष्ठ - 4

ओबीसी आरक्षण तय हुए बिना पंचायत-निकाय चुनाव नहीं : मंत्री झाबर सिंह खर्रा

भीलवाड़ा फोकस @ जयपुर।

राजस्थान में निकाय और पंचायत चुनावों की तारीखों को लेकर राजनीतिक सरगर्मी चरम पर है। इसी बीच नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा के बयान ने चुनावी बहस को और तेज कर दिया है। सीकर जिले के लक्ष्मणगढ़ दौरे पर पहुंचे मंत्री खर्रा ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि ओबीसी आरक्षण अंतिम रूप लिए बिना राजस्थान में किसी भी हाल में पंचायत और निकाय चुनाव नहीं कराए जा सकते। उनके इस बयान के बाद राज्य की राजनीति में नई हलचल देखी जा रही है।

मंगलवार को लक्ष्मणगढ़ के रामलीला मैदान में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे मंत्री खर्रा ने सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर निकाली गई 'एकता पदयात्रा' को हरी झंडी दिखाकर शुरू किया। संबोधन में उन्होंने सरदार पटेल के राष्ट्रनिर्माण में योगदान का उल्लेख किया, लेकिन उनका मुख्य फोकस आगामी चुनाव और ओबीसी आरक्षण को लेकर जारी राजनीतिक घमासान पर रहा।

आरक्षण पहले, चुनाव बाद में-मंत्री का दो टूक संदेश

खर्रा ने कहा कि राज्य सरकार ने सितंबर में ही निकाय व पंचायत चुनावों से संबंधित नोटिफिकेशन जारी कर दिया था, लेकिन दो महत्वपूर्ण प्रक्रियाएं अभी बाकी हैं राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा

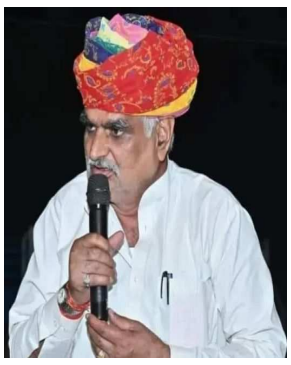

ओबीसी आबादी के नए आंकड़ों का संकलन और राज्य निर्वाचन विभाग द्वारा मतदाता सूची का अंतिम संशोधन ।

खर्रा ने कहा कि इन दोनों औपचारिकताओं के पूरा होने के बाद ही चुनाव कराए जाएंगे। सरकार चाहती है कि दोनों चुनाव एक साथ करवाए जाएं ताकि प्रशासनिक और आर्थिक स्तर पर प्रक्रिया अधिक सुगम हो।

कांग्रेस पर बोला हमला ,जनता में भ्रम फैलाने की कोशिश

मंत्री खर्रा ने कांग्रेस पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि विपक्ष बिना ओबीसी आरक्षण तय किए चुनाव कराने की बात कर जनता को भ्रमित कर रहा है। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार ओबीसी समुदाय के अधिकारों को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है और किसी भी परिस्थिति में आरक्षण के मुद्दे से समझौता नहीं किया जाएगा।

खर्रा ने स्पष्ट कहा चुनाव भले कुछ देर से हों, लेकिन ओबीसी आरक्षण तय किए बिना राजस्थान में कोई चुनाव संभव नहीं।

कॉटन सीड्स की आड़ में चल रही डोडा चूरा तस्करी का किया भंडाफोड़, 21 क्विंटल से अधिक तीन करोड़ की कीमत का मादक पदार्थ जब्त

भीलवाड़ा फोकस @ आसींद ।

अवैध मादक पदार्थ के विरुद्ध थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। थानाधिकारी हंसपाल सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने कॉटन सीड्स की आड़ में की जा रही डोडा चूरा तस्करी का भंडाफोड़ किया। पुलिस में बताया की बीती 24 नवंबर की सुबह एनएच-158 पर सवाईभोज पेट्रोल पंप के पास पुलिस नाकाबंदी की जा रही थी। इसी दौरान भीलवाड़ा की ओर से आ रहे एक ट्रक को रोककर जांच की गई। चालक और दोनों साथियों द्वारा सामग्री संबंधी कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिलने तथा उनके हावभाव संदिग्ध लगने पर ट्रक को सर्विस रोड पर ले जाकर विस्तृत जांच की गई। जांच में ट्रक में भरे कॉटन सीड्स के कट्टों के नीचे डोडा चूरा से भरे कुल 103 कट्टे बरामद हुए। माप-तौल में अवैध मादक पदार्थ की मात्रा 21 क्विंटल 29.620 किलोग्राम पाई गई, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 3 करोड़ 20 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस ने डोडा चूरा तथा तस्करी में प्रयुक्त ट्रक को जब्त कर तीनों तस्करों देवेन्द्र निवासी भीमड़ा, बाड़मेर, पारस निवासी सेवनियाला, बालोतरा और बशीर निवासी रोहिली, बाड़मेर को मौके से गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज किया है। मामले में अनुसंधान जारी है।

इस कार्रवाई में आसींद थाना पुलिस के साथ जिला विशेष टीम के सदस्य भी शामिल रहे, जिनकी संयुक्त सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से बड़े स्तर पर हो रही तस्करी को समय रहते रोका जा सका।

मंत्रीमंडल फेरबदल के संकेत, भजनलाल शर्मा 27 को दिल्ली दौरे पर

भाजपा हाईकमान से हरी झंडी मिलने की उम्मीद, शेखावाटी और मेवाड़ के नए चेहरों को कैबिनेट में मिल सकती है जगह

भीलवाड़ा फोकस @ जयपुर।

राजस्थान में मंत्रिमंडल फेरबदल को लेकर राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 27 नवंबर को दिल्ली दौरे की तैयारी में हैं। इससे पहले मंगलवार को मुख्यमंत्री और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने जयपुर से उदयपुर और फिर पाली का हेलिकॉप्टर दौरा किया। लंबे समय से चर्चित मंत्री मंडल फेरबदल और राज्य आयोग, निगम बोर्ड में वरिष्ठ नेताओं की नियुक्तियाँ दिसंबर के पहले पखवाड़े में हो सकती हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ उदयपुर-रणकपुर यात्रा की, जिसमें राजस्थान के अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। सूत्रों के अनुसार दिल्ली

दौरे में बहुप्रतीक्षित मंत्री मंडल फेरबदल की हरी झंडी मिलने की संभावना है। तीन वरिष्ठ मंत्री और चार नए चेहरे कैबिनेट में शामिल हो सकते हैं, जबकि कुछ मंत्रियों के विभाग बदलने और 2-3 मंत्रियों की छुट्टी की संभावना भी चर्चा में है।

भाजपा के अंदर भी रणनीति सक्रिय है। 26 नवंबर को जयपुर में मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष की बैठक में उदयपुर संभाग के सभी जिलों के प्रभारी, जिलाध्यक्ष, जिला पदाधिकारी और मोर्चा जिला अध्यक्ष शामिल होंगे। बैठक में नगर निगम और पंचायत राज पदों की तैयारी, सरकारी विभागों में समस्याओं का समाधान और मंडल अध्यक्षों की जिम्मेदारियों का निर्धारण किया जाएगा।

सूत्रों के अनुसार, शेखावाटी और मेवाड़ के कुछ नए चेहरे भी मंत्रिमंडल में जगह पा सकते हैं। मुख्यमंत्री का राजनीतिक कद राज्य सरकार के बेहतरीन कामकाज के आधार पर बढ़ा है, जिससे उन्हें फेरबदल में व्यापक स्वतंत्रता मिल सकती है। इससे पहले पीएम मोदी के साथ पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे की मुलाकात ने भी मंत्रिमंडल फेरबदल की अटकलों को और बल दिया।

राजस्थान की सियासी दिशा अगले दो सप्ताह में स्पष्ट होने की संभावना है, जब दिल्ली दौरे और शेखावाटी यात्रा के बाद मंत्रीमंडल फेरबदल को अंतिम रूप दिया जाएगा।

पेट्रोल पंप के नजदीक युवक पर जानलेवा हमला, मामला दर्ज

भीलवाड़ा फोकस @ बिजौलिया।

थाना क्षेत्र के नया गांव के पास एक व्यक्ति पर जानलेवा हमला किए जाने का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़ित मदनलाल धाकड़ निवासी छोटा थडौदा ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि बीती 24 नवंबर की शाम लगभग 5:30 बजे उदयपुर रोड स्थित पेट्रोल पंप पर उतरने के तुरंत बाद उस पर अचानक प्रेम मीणा, अनिल तथा 7-8 अन्य लोगों ने हमला कर दिया। रिपोर्ट के अनुसार हमलावर हॉकी और डंडों से लैस थे और उन्होंने मदनलाल पर ताबड़तोड़ वार किए, जिससे उसके हाथ-पैर सहित शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आईं और कुछ जगह फ्रैक्चर भी हो गया। पीड़ित ने यह भी

बताया कि हमलावरों ने जाते-जाते जान से मारने की धमकी दी, जिससे वह भयभीत है। घटना की सूचना पर पुलिस ने पीड़ित का मेडिकल मुआयना करवाकर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल सभी आरोपी फरार हैं और उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीम गठित कर तलाशी शुरू कर दी गई है।

राजकॉप ऐप की मदद से बड़ी नकबजनी का खुलासा पुलिस ने शातिर नक़बजन को किया गिरफ्तार

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा ।

कोतवाली पुलिस ने राजकॉप ऐप की एडवांस टेक्नोलॉजी की मदद से शहर में हुई बड़ी नकबजनी की वारदात का खुलासा करते हुए कुख्यात नकबजन पवन मीणा को गिरफ्तार कर लिया है। यह आरोपी राजस्थान के विभिन्न जिलों में नकबजनी और लूट के 27 प्रकरणों में चालानशुदा रह चुका है और रेलवे स्टेशनों के आसपास वारदातें करना इसकी पहचान रही है।

पुलिस ने बताया कि बीती 18 नवंबर को बाजार नंबर 2 स्थित हीरा ट्रेडर्स की दुकान का ताला तोड़कर 2 लाख 45 हज़ार रुपए चोरी कर लिए गए थे। सीसीटीवी फुटेज में आरोपी का चेहरा साफ दिखा। पुलिस ने इसका मिलान राजकॉप ऐप से किया, जिससे उसकी पहचान पवन मीणा निवासी बड़ा ऊंचा, छबड़ा बारां के रूप में हुई।

आरोपी के तरीके को देखते हुए पुलिस ने भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ और अजमेर रेलवे स्टेशनों पर निगरानी बढ़ाई। इसी दौरान आरोपी की रैकी करते समय कांस्टेबल संजय जीनगर और भूपेन्द्र गिरी ने उसे पहचान लिया और पकड़ लिया।

पुलिस ने बताया की पवन मीणा रात में रेलवे स्टेशन क्षेत्रों में रैकी करता और सुबह-सुबह चोरी को अंजाम देकर ट्रेन या बस से दूसरे शहर भाग जाता था। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उसके बैग से ताला तोड़ने वाला फोल्डिंग सरिया भी बरामद किया।

आईसीजेएस पोर्टल पर जांच में सामने आया कि आरोपी जयपुर, अजमेर, कोटा, पाली, बीकानेर, जोधपुर, उदयपुर सहित विभिन्न जिलों में 27 नकबजनी, चोरी, लूट और आर्म्स एक्ट के मामलों में चालानशुदा है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

जयपुर में टीकाराम जूली ने सरकार और बीजेपी पर साधा निशानाः कहा- अंता की हार ने सब बदलवा दिया, अब मंत्रिमंडल भी बदलेगा

भीलवाड़ा फोकस @ जयपुर।

राजस्थान में नगर निकाय और पंचायत चुनावों के परिणामों को लेकर राजनीतिक घमासान जारी है। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सरकार और भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि अंता विधानसभा क्षेत्र में मिली हार ने इस सरकार के लिए खतरे की घंटी बजा दी है। जूली का कहना है कि इसी हार के चलते चीफ सेक्रेट्री और मुख्यमंत्री के प्रिंसिपल सेक्रेटरी तक बदल दिए गए, और अब मंत्रिमंडल में भी बदलाव होने की संभावना है।

जूली ने कहा कि भाजपा यह सोच रही थी कि अंता का चुनाव सेमीफाइनल है और इसके आधार पर 2028 का फाइनल लड़ा जाएगा, लेकिन जनता ने बीजेपी को आइना दिखा दिया। जूली ने

आरोप लगाया कि सरकार पिछली सरकार की योजनाओं के नाम बदल रही है, योजनाओं को बंद कर रही है और उद्योगपतियों को लाभ पहुंचा रही है, जबकि किसान अपनी फसल चौपट होने के बावजूद कोई मदद नहीं पा रहा।

टीकाराम जूली ने कहा कि पंचायती राज और नगर निकाय चुनावों में हार से बचने के लिए SIR (सर्वे, इन्वेंट्री और रजिस्ट्रेशन) करवाए जा रहे हैं, जबकि विधानसभा चुनाव में अभी तीन साल बाकी हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि बीएलओ पर दबाव बनाने और इतनी जल्दी काम करने की जरूरत क्यों है।

साथ ही उन्होंने बिहार में SIR का उदाहरण देते हुए कहा कि वहाँ लाखों वोटर कट गए, लेकिन घुसपैठियों की सही संख्या बताई नहीं गई।

जूली ने सवाल किया कि इन वोटरों में कितने घुसपैठिए थे और उन पर क्या कार्रवाई की गई। उनका कहना था कि दिखावा करने से काम नहीं चलेगा, जनता को वास्तविक काम करके दिखाना होगा।

राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि टीकाराम जूली की ये टिप्पणियाँ सरकार पर बढ़ते दबाव और आगामी पंचायत-निकाय चुनावों की तैयारी को लेकर भाजपा के भीतर चल रही रणनीति को उजागर करती हैं।

सहकारी समितियों में यूरिया संकट, किसानों ने प्रदर्शन कर जताया आक्रोश

भीलवाड़ा फोकस @ बीगोद ।

उपखंड क्षेत्र की सहकारी समितियों में यूरिया खाद उपलब्ध नहीं होने से किसानों में भारी नाराजगी व्याप्त है। यूरिया के लिए किसानों को समिति से लेकर निजी दुकानों तक भटकना पड़ रहा है, जबकि निजी डीलर मनमाने दामों पर खाद बेच रहे हैं।

मंगलवार को बीगोद सहकारी समिति परिसर में किसानों ने विरोध प्रदर्शन कर अपनी नाराजगी जताई। किसान नेता मुनीर लोहार ने आरोप लगाया कि सहकारी समितियों को यूरिया की सप्लाई नहीं दी जा रही, जबकि डीलरों को पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे अधिकारियों की मिलीभगत साफ झलकती है।

किसानों ने चेतावनी दी कि अगर समय पर यूरिया उपलब्ध नहीं कराया गया तो वे उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे। प्रदर्शन के दौरान किसानों ने नारेबाजी कर प्रशासन का विरोध जताया।

चांदगढ़ में बनास बचाओ आंदोलन उग्रः मुख्यमंत्री और विधायक का पुतला दहन, अवैध खनन पर कार्रवाई की मांग

भीलवाड़ा फोकस @ सवाईपुर

(सांवर वैष्णव)। चांदगढ़ में जारी बनास बचाओ आंदोलन मंगलवार को अपने 30वें दिन और अधिक उग्र हो गया। अवैध खनन और जिम्मेदार अधिकारियों की लगातार चुप्पी से आक्रोशित ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और मांडलगढ़ विधायक गोपाल खंडेलवाल का पुतला जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का कहना है कि वे पिछले एक महीने से शांतिपूर्ण धरना दे रहे हैं, लेकिन प्रशासन का कोई प्रतिनिधि अब तक मौके पर नहीं पहुंचा। न ही लीज धारक द्वारा जेसीबी मशीनों से चल रहे अवैध खनन को रोकने की कोई ठोस कार्रवाई की गई है।

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि प्रशासन, पुलिस और माइनिंग विभाग मिलकर लीज धारक को खुली छूट दे रहे हैं, जिसके कारण अवैध बजरी खनन बिना रोक-टोक जारी है। धरना स्थल पर जमकर नारेबाजी हुई और ग्रामीणों ने साफ कहा कि जब तक खनन बंद नहीं किया जाता और जिम्मेदारों पर कड़ी कार्रवाई नहीं होती, आंदोलन इसी तरह जारी रहेगा। विरोध कर रहे लोगों ने चेतावनी दी कि आने वाले दिनों में यह आंदोलन बड़े जनआंदोलन का रूप ले सकता है और जिलेभर में व्यापक प्रदर्शन किए जाएंगे।

एनडीपीएस एक्ट में एक साल से फरार 10-10 हजार के ईनामी दो आरोपी गिरफ्तार

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा ।

सदर थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम ने एनडीपीएस एक्ट के दो फरार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों पर 10-10 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस ने बताया की बीते वर्ष 13 सितंबर को सदर पुलिस ने गश्त के दौरान एक संदिग्ध कार को डिटेन किया था। चालक मौके से भाग गया, जबकि तलाशी में वाहन से चार कट्टों में भरा 62 किलो 295 ग्राम अवैध अफीम डोडा-चूरा बरामद हुआ था। इस मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू

की थी । आरोपी तब से फरार चल रहे थे। गठित टीम ने वाहन दस्तावेजों, तकनीकी विश्लेषण तथा मुखबिर तंत्र की सहायता से दोनों आरोपियों की तलाश जारी रखी। लगातार दबिशों के बाद 24 नवंबर को दोनों आरोपी गोविंद गुर्जर (25) और प्रकाश गुर्जर (35), निवासी बड़ी, धनगांव थाना सिंगोली (रब्का) को उनके ठिकानों से डिटेन कर गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी एक वर्ष से गिरफ्तारी से बचने के लिए स्थान बदलते रहे, लेकिन टीम की सतत निगरानी के चलते पकड़े गए। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर आगे की कार्रवाई में जुटी है।

घर घर जाकर बच्चों को पिलाई पोलियो की दवा

भीलवाड़ा फोकस @ सवाईपुर ।

(सांवर वैष्णव):- स्वास्थ्य विभाग द्वारा रविवार से मंगलवार तक राष्ट्रीय पल्स पोलियो महाअभियान को उत्सव की तरह मनाया गया, जिसमें पल्स पोलियो बूथों पर 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पल्स पोलियो की दो बूंद पिलाई गई । मंगलवार को घर-घर जाकर बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई गई । आयुष चिकित्सक डॉ. दामोदर प्रसाद शर्मा ने बताया की आदर्श राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सवाईपुर सहित क्षेत्र में आंगनबाड़ी केंद्रों, मंदिरों व मुख्य स्थानों पर 28 बूथों, एक मोबाइल और एक ट्रांजिट टीमें तीन दिनों में 0 से लेकर 5 वर्ष तक के 2798 बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई गई ।।

एनडीपीएस एक्ट में 8 माह से फरार 5 हजार का इनामी आरोपी गिरफ्तार

भीलवाड़ा फोकस @ काछोला ।

थाना पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के प्रकरण में 8 माह से फरार चल रहे 5 हजार रुपये के इनामी अपराधी को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपी 6 किलो 300 ग्राम अफीम बरामदगी वाले मामले में वांछित था और लगातार फरार चल रहा था। थानाधिकारी बालकिशन की अगुवाई में थाना पुलिस व जिला स्पेशल टीम की संयुक्त टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया।

पुलिस ने बताया की बीती 5 फरवरी को कोटड़ी थाने के थानाधिकारी

महावीर प्रसाद मीणा द्वारा गश्त के दौरान गोगास स्कूल के पास अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर बड़ी कार्रवाई की गई थी। इस दौरान मुल्ज़िम प्रभु जाट और सुखानाथ की कार से 6 किलो 300 ग्राम अफीम बरामद की गई थी। जिसका एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर जांच थाना पुलिस द्वारा की जा रही थी। इसी प्रकरण में आरोपी राजूलाल धाकड़ (40 वर्ष) निवासी काकरिया तलाई, थाना रतनगढ़, जिला नीमच पिछले 8 महीनों से फरार चल रहा था। आरोपी की गिरफ्तारी पर 5 हजार रुपये का इनाम घोषित था। विशेष टीम ने मुखबिर सूचना के आधार पर आरोपी को पकड़ने में सफलता प्राप्त की।

तेज रफ्तार कार पलटी, पांच लोग बाल बाल बचे

भीलवाड़ा फोकस @ आसींद।

राष्ट्रीय राजमार्ग 148डी पर मंगलवार सुबह बड़ा हादसा टल गया। आमली खेड़ा चौराहे के पास तेज रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई, लेकिन कार में सवार सभी पांच लोग सुरक्षित बच गए। जानकारी अनुसार, भीलवाड़ा के ये पांचों लोग राजरानी होटल, पड़ासोली से अर्जुनपुरा शादी समारोह में जा रहे थे। रास्ते में सामने अचानक एक बाइक आ जाने से तेज रफ्तार के कारण कार नियंत्रण खो बैठी और उलट गई।हादसे के बाद ग्रामीण और राहगीर मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस में मौके पर पहुंच मामले की जांच शुरू कर दी है ।

महेंद्र ने भरा देहदान संकल्प, मानवता के लिए प्रेरणास्रोत बने

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा ।

राष्ट्रीय मानव अधिकार परिषद की प्रेरणा से भवानीनगर चौराहा निवासी महेंद्र कुमार तातेड़ ने मंगलवार देहदान संकल्प पत्र भरकर चिकित्सकीय शिक्षा और शोध के लिए अपना शरीर दान करने का निर्णय लिया। इसको लेकर आर.वी.आर.एस. मेडिकल कॉलेज में विधिवत रूप से संकल्प पत्र भरा गया। परिषद के जिलाध्यक्ष मनीष बंब, मार्गदर्शक सीए महावीर गांधी,

पूर्व पार्षद सुरेश बंब, जिला संरक्षक हेमंत कोठारी, जिला उपाध्यक्ष ललित बोहरा, सीए नवजोत सिंह और प्राचीर समदानी ने महेंद्र तातेड़ के इस निर्णय की सराहना की और उनका स्वागत अभिनंदन किया।

मनीष बंब ने कहा कि देहदान जीवन का सर्वोच्च दान है, जो मानवता की सेवा और आने वाली पीढ़ियों के लिए ज्ञान का स्रोत बनता है। सीए महावीर गांधी ने बताया कि परिषद समय-समय पर देहदान, नेत्रदान और अंगदान पर जागरूकता अभियान चलाती रहती है। महेंद्र तातेड़ का यह कदम समाज के लिए मार्गदर्शक साबित होगा।

श्री कामधेनु बालाजी मंदिर शिखर पर फहराई धर्म ध्वजा

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अयोध्या मे नवनिर्मित श्री राम मंदिर शिखर पर धर्म ध्वजा फहराए जाने के दौरान श्री कामधेनु बालाजी ट्रस्ट के तत्वावधान मे सुखाड़िया नगर कोटा बाई पास रोड स्थित श्री कामधेनु बालाजी मंदिर परिसर में भी धर्म ध्वजा फहराई गई 7 आयोजन संयोजक अमित काबरा ने बताया कि ट्रस्ट के सदस्यो के साथ ही स्थानीय निवासियों द्वारा मंदिर पुजारी जगन्नाथ शर्मा के सानिध्य मे सामूहिक हनुमान चालिसा पाठ किया गया, तत्पश्चात हनुमत सेवक प्रताप सिंह द्वारा हनुमान जी चित्रित धर्म ध्वजा के तिलक एवं विधिवत पूजा अर्चना कर आरती की गई 7 इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं द्वारा जय श्री राम के उद्घोष के साथ मंदिर शिखर पर मंत्रोचार के साथ ध्वजा फहराई गई । इस दौरान विश्व हिंदू परिषद के सत्यनारायण शर्मा, नरेश कुमार ओझा, रेखा सोनी, बाबू सिंह चौहान, गोपाल शर्मा, पारस शर्मा,

अशोक शर्मा, सहित कई सदस्यो ने ध्वज आरती में भाग लेकर क्षेत्र में सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम का संचालन श्री कामधेनु बालाजी मंदिर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष दिनेश कुमार ओझा द्वारा किया गया।

QUICK BITES

बारहठ कॉलेज में एआई विषय पर वाद-विवाद व आशुभाषण प्रतियोगिता सम्पन्न

भीलवाड़ा फोकस @ शाहपुरा -

मूलचन्द पेसवानी

श्री प्रताप सिंह बारहठ राजकीय महाविद्यालय शाहपुरा में भारत विकास परिषद के संयुक्त तत्वावधान में कृत्रिम बुद्धिमत्ताः वरदान या अभिशाप विषय पर वाद-विवाद और आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना व दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। प्राचार्य डॉ. पुष्कर राज मीणा ने अध्यक्षता करते हुए एआई के सकारात्मक व नकारात्मक प्रभावों पर प्रकाश डाला और छात्रों को तकनीक का जिम्मेदारी से उपयोग करने की प्रेरणा दी। मुख्य अतिथि शिक्षाविद जयदेव जोशी ने बताया कि प्रथम स्थान प्राप्त छात्र प्रांतीय स्तर पर कॉलेज का प्रतिनिधित्व करेंगे, वहीं पवन कुमार बांगड़ ने स्वदेशी तकनीक और नवाचार को बढ़ावा देने पर जोर दिया। प्रतियोगिता में छात्रों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लाभ और चुनौतियों पर बेबाकी से विचार रखे। वाद-विवाद में पक्ष से सुनील शर्मा प्रथम, हरिओम प्रजापत द्वितीय और डाली कुम्हार तृतीय रहे, जबकि विपक्ष से दीक्षा टेलर प्रथम, नीलाक्षी द्वितीय और पायल राजोरा तृतीय रहीं। आशुभाषण प्रतियोगिता में नेहा सुखवाल प्रथम, दीक्षा टेलर द्वितीय और हरिओम प्रजापत तृतीय रहे। मूल्यांकन दिग्विजय सिंह, प्रो. नीरज शर्मा और विधि जैन ने किया। सभी विजेताओं को प्रमाणपत्र व स्मृति चिह्न प्रदान किए गए। मंच संचालन सह-आचार्य मूलचंद खटीक ने किया। कार्यक्रम में प्रो. मुकेश मीणा सहित संकाय सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। आयोजन का समापन 'वंदे मातरम' के साथ हुआ।

पीएम श्री विद्यालय बाकरा में अधिकारियों का निरीक्षण, गतिविधियों की सराहना

भीलवाड़ा फोकस @ शक्करगढ़।

पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बाकरा में मंगलवार को समग्र शिक्षा के अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक कल्पना शर्मा, एपीसी समसा डॉ. राजेश मीणा और एसीबीईओ अभय सिंह मीणा ने निरीक्षण किया। अधिकारियों ने पीएम श्री योजना के तहत संचालित गतिविधियों, नवाचारों और चल रहे विकास कार्यों का अवलोकन किया।

प्रधानाचार्य सोजीराम मीणा ने बताया कि टीम ने राज्य स्तरीय समान परीक्षा, शिक्षण-पद्धति, शैक्षणिक वातावरण व सहगामी गतिविधियों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

अधिकारियों ने विद्यालय की प्रगति और प्रयासों की सराहना करते हुए शिक्षा उन्नयन के लिए सकारात्मक सुझाव भी प्रदान किए।

भीलवाड़ा फोकस
भीलवाड़ा की बात फोकस के साथ

एक सशक्त पत्रकारिक मंच से जुड़ने का सुनहरा अवसर!

"भीलवाड़ा फोकस" को अपने नेटवर्क के विस्तार हेतु योग्य एवं उत्साही संवाददाताओं की जहाजपुर | गुलाबपुरा | आसिंद | मांडल | गंगापुर | माण्डलगढ़ । बदनौर सहित भीलवाड़ा जिला मुख्यालय पर अनुभवी क्राइम रिपोर्टर की आवश्यकता है ।

क्या आपके पास है –
- समाचारों को पकड़ने की तेज़ नजर ?
- निष्पक्षता, निडरता और पत्रकारिता के प्रति समर्पण ?
- डिजिटल रिपोर्टिंग या प्रिंट मीडिया का अनुभव ?

तो फिर देर किस बात की? अभी जुड़िए - "भीलवाड़ा फोकस" परिवार के साथ।

संपर्क करें: मो. 8696795959 ईमेल: bhilwarafocus@gmail.com
वेब: www.bhilwarafocus.com

धनवाड़ा का विरोध : ऊंदों का खेड़ा को पंचायत मुख्यालय बनाए जाने की मांग, ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

भीलवाड़ा फोकस @ बिजोलिया ।

पंचायत पुनर्गठन के तहत क्षेत्र की नवगठित ग्राम पंचायत ऊंदों का खेड़ा का मुख्यालय धनवाड़ा घोषित किए जाने के बाद से क्षेत्र में नाराजगी है। ग्रामीणों ने इसे शासन की गाइडलाइंस के विपरीत बताते हुए मुख्यमंत्री के नाम उपखंड अधिकारी अजीत सिंह राठौड़ को ज्ञापन सौपकर ऊंदों का खेड़ा को ही पंचायत मुख्यालय घोषित करने की मांग की है।

ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया है कि धनवाड़ा जंगल क्षेत्र में स्थित है और वहाँ मूलभूत सुविधाएँ अत्यंत सीमित हैं, जिससे आमजन की आवाजाही और प्रशासनिक कार्य दोनों ही कठिन हो जाते हैं। वहीं ऊंदों का खेड़ा मुख्य सड़क पर स्थित होने के साथ-साथ सभी आवश्यक जनसुविधाओं से सुसज्जित है, जो इसे मुख्यालय के लिए अधिक उपयुक्त बनाता है।

ग्रामीणों ने बताया की ऊंदों का खेड़ा एमडीआर-41 (नीमच-जयपुर मार्ग) पर स्थित है, जहाँ रोडवेज बसें एवं कई निजी वाहन रोजाना संचालित होते हैं। ऊपरमाल रेलवे स्टेशन भी निकट होने से क्षेत्र के लोगों के लिए परिवहन बेहद सुगम है। पंचायत भवन निर्माण हेतु पाँच बीघा भूमि उपलब्ध है और गांव में तीन ई-मित्र केंद्र, एक सीएसई सेंटर, विस्तृत बाजार, राजकीय आयुर्वेदिक अस्पताल तथा विद्युत ग्रिड केंद्र जैसी महत्वपूर्ण सुविधाएँ पहले से मौजूद हैं। इसके साथ ही एक राजकीय और दो निजी विद्यालय तथा आंगनबाड़ी केंद्र भी सुचारू रूप से संचालित हो रहे हैं।

ज्ञापन में बताया गया है कि धनवाड़ा का राजस्व क्षेत्र बड़ी ढाणियों को जोड़कर दर्शाया गया है, जबकि जिस स्थान को मुख्यालय घोषित किया गया है वहाँ मात्र 20 घर बसे हैं। दूसरी ओर नवगठित ग्राम पंचायत ऊंदों का खेड़ा में करीब 300 घरों की आबादी निवास करती है, जो जनसंख्या घनत्व और जनसुविधाओं की दृष्टि से इसे मुख्यालय के लिए सर्वोत्तम विकल्प बनाती है।

ग्रामीणों ने कहा कि सभी तथ्यों की अनदेखी कर धनवाड़ा को मुख्यालय घोषित करना लोकभावना के विपरीत है। उन्होंने मुख्यमंत्री से मामले की गंभीरता पर शीघ्र निर्णय लेते हुए ऊंदों का खेड़ा को ही पंचायत मुख्यालय घोषित करने की मांग की है। ज्ञापन देते समय भंवर माली ,प्रभु गुर्जर , नारायण गुर्जर , श्रद्धा बंजारा ,फूल सिंह बंजारा ,ठाकुर बंजारा ,देव गुर्जर ,रामकिशन गुर्जर, लक्ष्मण बंजारा हिरा लोहार , कालू तेली , रामदेव ,रतन लोहार , नंद सिंह ,स्वराज सिंह ,कैलाश लोहार , गोविंद, पहलाद गुर्जर ,हेमराज सिंह ,रमेश तेली ,धर्मराज तेली ,युवराज सिंह ,राधेश्याम तेली ,सोनू सेन ,गोपाल गुर्जर ,श्याम सिंह ,पप्पू बंजारा, शंकर बंजारा ,उजेश बंजारा ,फौजी गुर्जर, गोपाल तेली , सहित कई ग्रामवासी उपस्थित रहे।

कोडलाई को पंचायत मुख्यालय बनाने की मांग तेज, ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

भीलवाड़ा फोकस @ शाहपुरा ।

मूलचंद पेसवानी

पंचायत पुनर्गठन को लेकर बनेड़ा क्षेत्र में विरोध तेज हो गया है। नवगठित पंचायत का मुख्यालय सुल्तानगढ़ घोषित किए जाने पर कोडलाई, सुल्तानगढ़ और खारोलिया खेड़ा के ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर कोडलाई को ही मुख्यालय बनाए रखने की मांग की।

ग्रामीणों ने बताया कि बीती 20 नवंबर की अधिसूचना में तीनों गांवों को मिलाकर नई पंचायत बनाई गई है। प्रारंभिक प्रस्तावों में कोडलाई को ही मुख्यालय तय किया गया था, लेकिन अंतिम अधिसूचना में बिना रायशुमारी और तर्कों पर विचार किए मुख्यालय सुल्तानगढ़ कर दिया गया, जो नियमों के विरुद्ध है।

ज्ञापन में बताया गया कि जनसंख्या, भौगोलिक स्थिति, आवागमन और संसाधनों के आधार पर कोडलाई सबसे उपयुक्त स्थान है। 2011 की जनगणना के अनुसार कोडलाई की जनसंख्या 1237 है, जो सुल्तानगढ़ (1020) व खारोलिया खेड़ा (830) से अधिक है। साथ ही कोडलाई स्टेट हाईवे के समीप स्थित है, जबकि सुल्तानगढ़ पहाड़ी क्षेत्र में होने से वहां सड़क, परिवहन और नेटवर्क की कमी रहती है।

ग्रामीणों ने यह भी बताया कि कोडलाई में पंचायत भवन सहित राजकीय निर्माणों के लिए पर्याप्त भूमि उपलब्ध है, जबकि सुल्तानगढ़ में संसाधन सीमित हैं। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि कोडलाई को मुख्यालय नहीं बनाया गया तो तीनों गांवों के लोग अनिश्चितकालीन आंदोलन और मतदान बहिष्कार के लिए बाध्य होंगे।

ज्ञापन देते समय सरपंच राधेश्याम कुमावत, वार्ड पंच कमल कुमावत, भेरूलाल, मुकेश, सीताराम, हनुमान सिंह, शंकरलाल, रतनलाल, प्रभुलाल, खुशीराम, राजूलाल, बंसीलाल, रामचंद्र सहित अन्य ग्रामीण शामिल रहे ।

ग्रामीणों ने पंचायत राज विभाग से अधिसूचना में संशोधन कर तुरंत कोडलाई को ही पंचायत मुख्यालय घोषित करने की मांग की।

देवपुरी को फुलियाकलां में शामिल करने पर विरोध, ग्रामीणों ने एसडीओ को सौंपा ज्ञापन

भीलवाड़ा फोकस @ शाहपुरा।

मूलचन्द पेसवानी

देवपुरी पंचायत को पंचायत समिति शाहपुरा से हटाकर फुलियाकलां में जोड़ने के निर्णय के खिलाफ मंगलवार को देवपुरी क्षेत्र के ग्रामीणों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में ग्रामीण शाहपुरा एसडीओ कार्यालय के बाहर एकत्र हुए और नारेबाजी करते हुए इस निर्णय को जनभावनाओं के विपरीत बताया। ग्रामीणों ने कहा कि देवपुरी का भौगोलिक, सामाजिक और प्रशासनिक जुड़ाव वर्षों से शाहपुरा से ही रहा है, इसलिए देवपुरी पंचायत को मूल स्थान शाहपुरा में ही बनाए रखा जाए। मुख्यमंत्री के नाम सौंपे गए ज्ञापन में ग्रामीणों ने बताया कि देवपुरी, मीणा की कोटड़ी, आंटोली और गुरुजी का खेड़ा गांव देवपुरी पंचायत क्षेत्र में आते हैं, जिनका थाना पंडेर (जहाजपुर) लगता है। देवपुरी से फुलियाकलां तक पहुंचने के लिए शाहपुरा होकर जाना ही पड़ता है, जो ग्रामीणों के लिए असुविधाजनक है।

ग्रामीणों ने कहा कि हाल ही में हुए प्रशासनिक पुनर्गठन में देवपुरी को फुलियाकलां पंचायत समिति में जोड़ दिया गया है, जिससे गहरा आक्रोश है। निर्णय बिना जनप्रतिनिधियों की राय और बिना आम सहमति के लिया गया है। फुलियाकलां की दूरी अधिक होने से ग्रामीणों को शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रशासनिक कार्यों और सरकारी योजनाओं तक पहुंचने में कठिनाई होगी। शाहपुरा इन सभी सुविधाओं का प्रमुख केंद्र होने के कारण देवपुरी को वहीं रखना जनहित में है। प्रदर्शन में पूर्व सरपंच संजय मंत्री, यूथ कांग्रेस विधानसभा उपाध्यक्ष रामसिंह मीणा, भाजपा अजा मोर्चा जिला महामंत्री महेंद्र मीणा, मस्तराम मीणा, गणराज सिंह, प्यारेलाल मीणा, कमल मीणा, बुद्धि प्रकाश मीणा, मुकेश मीणा, पोदाराम माली, प्रहलाद खटीक शामिल रहे । सभी ने कहा कि देवपुरी को शाहपुरा से अलग करना पूरी तरह जनहित के विपरीत है और ग्रामीण किसी भी हालत में इस निर्णय को स्वीकार नहीं करेंगे। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि मांग नहीं मानी गई तो आगामी पंचायत चुनाव और एसआईआर प्रक्रिया का बहिष्कार करेंगे।

ग्रामीणों ने कहा कि देवपुरी क्षेत्र का प्रशासनिक, आर्थिक व सामाजिक ढांचा पूर्ण रूप से शाहपुरा पर आधारित है। खरीद-फरोख्त, पढ़ाई, सरकारी कामकाज, न्यायालय, अस्पताल सभी शाहपुरा में निर्भर हैं। ऐसे में देवपुरी को फुलियाकलां जोड़ने का निर्णय न केवल अव्यावहारिक है, बल्कि ग्रामीणों को अनावश्यक परेशानी में डालने वाला है। ग्रामीणों ने इस आदेश को तुरंत वापस लेकर देवपुरी को दोबारा शाहपुरा पंचायत समिति में जोड़ने की मांग की।

प्रदर्शन के बाद ग्रामीण प्रतिनिधिमंडल ने शाहपुरा एसडीओ सुनील मीणा को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में पुनर्गठन पर पुनर्विचार कर देवपुरी को पूर्व स्थिति में बहाल करने की मांग की गई। एसडीओ ने ज्ञापन प्राप्त कर ग्रामीणों की भावनाओं को उच्च प्रशासन तक पहुंचाने का आश्वासन दिया।

ग्रामीणों ने स्पष्ट कहा कि जब तक देवपुरी को पुनः शाहपुरा से नहीं जोड़ा जाता, आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने चेताया कि यदि सरकार ने जनभावनाओं की अनदेखी की, तो संघर्ष और तेज किया जाएगा।

अवैध बजरी दोहन पर ट्रैक्टर ट्रॉली जब्त

भीलवाड़ा फोकस @ काछोला

अवैध बजरी दोहन पर अंकुश लगाने के लिए थाना पुलिस लगातार सख्ती बरत रही है इसी को लेकर थाना क्षेत्र के नाहरगढ़ के निकट पुलिस ने अवैध बजरी से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया । थाना प्रभारी बालकिशन शर्मा ने बताया कि पुलिस टीम नियमित गश्त के दौरान नाहरगढ़ के पास से गुजर रहे एक संदिग्ध ट्रैक्टर-ट्रॉली को रोका गया जांच में वाहन में अवैध बजरी भरी पाई गई, जिसके बाद ट्रैक्टर-ट्रॉली को मौके पर ही कब्जे में लेते हुए थाने पर लाया गया । शर्मा ने बताया कि अवैध बजरी दोहन व परिवहन पर सख्त रोक लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा जब्त वाहन के चालक पर खनन अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है

कर्मचारियों पर बढ़ते तनाव को देखते हुए SIR की समय-सीमा बढ़ाई जाएः शर्मा

भीलवाड़ा फोकस @ बिजोलिया ।

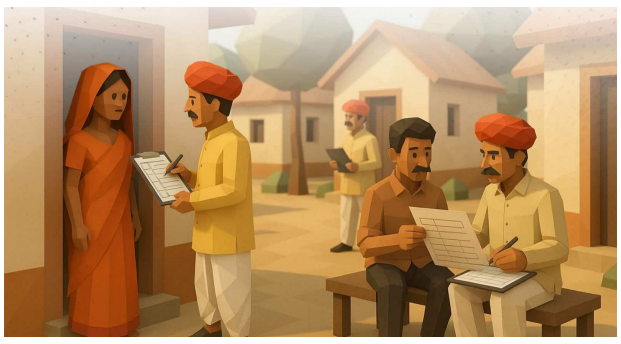

ऊपरमाल पर्यावरण समिति के उपाध्यक्ष शक्ति नारायण शर्मा ने विशेष गहन पुनरीक्षण मतदाता सूची (स्ट्रक्र) के अपडेट की समय-सीमा बढ़ाने के लिए मुख्य निर्वाचन आयुक्त को पत्र भेजा है। शर्मा ने बताया कि 4 नवंबर से 4 दिसंबर तक एक माह की अवधि में पूरे देश में स्ट्रक्र अपडेट कराना व्यवहारिक रूप से कठिन है।

शर्मा ने कहा कि 12 राज्यों में 2027-28 तक विधानसभा चुनाव होने हैं, ऐसे में जल्दबाजी से अधिकारियों व कर्मचारियों पर अत्यधिक दबाव बढ़ गया है। इसी तनाव के चलते भीलवाड़ा जिले के ईटमारिया ग्राम पंचायत के ग्राम विकास अधिकारी शंकरलाल मीणा ने 22 नवंबर को आत्महत्या कर ली।

शर्मा ने बताया कि बीएलओ ग्रामीण क्षेत्रों में खेतों, पगडंडियों और नेटवर्क की समस्या से जूझते हुए घर-घर सत्यापन कर रहे हैं, जबकि वर्तमान समय बुवाई और शादी-समारोहों का होने से आमजन भी जानकारी समय पर उपलब्ध नहीं करा पा रहा।

शर्मा ने वर्ष 2003 का उदाहरण देते हुए कहा कि तब स्ट्रक्र अपडेट के लिए एक वर्ष से अधिक समय दिया गया था। उन्होंने मांग की कि वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए स्ट्रक्र अपडेट की अवधि बढ़ाई जाए, जिससे अधिकारियों, कर्मचारियों और आम नागरिकों को राहत मिल सके।

विद्यालय में 218 जर्सियां वितरित, बच्चों के चेहरों पर खिली खुशी

भीलवाड़ा फोकस @ जहाजपुर

(गजानंद जोशी)। सर्दी की शुरुआत के साथ जरूरतमंद विद्यार्थियों की मदद के उद्देश्य से जहाजपुर के पड़ेर क्षेत्र की कंजर कॉलोनी में एक सराहनीय पहल की गई। पूर्व सरपंच दिनेश धाकड़ के माता जी खेड़ा स्थित फार्म हाउस पर आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय के गरीब वर्ग के छात्र-छात्राओं को 218 नीली जर्सियां प्रदान की गईं।

यह वितरण साध्वी वृंद अनुष्ठान आराधिका, ज्योतिष चंद्रिका प्रभाविका, डॉक्टर साध्वी कुमुदलता, डॉक्टर साध्वी पदम कीर्ति और साध्वी राजकीर्ति के कर कमलों से किया गया। जर्सियां कक्षा 1 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए प्रधानाचार्य भवानी राम रेगर को सौंपी गईं। मंगलवार सुबह प्रार्थना सभा के उपरांत सभी छात्रों को स्टाफ और शिक्षकों की उपस्थिति में जर्सियां वितरित की गईं। नई जर्सी पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे और विद्यालय परिसर में उत्साह का माहौल दिखाई दिया।

इस दौरान थाना प्रभारी कमलेश मीणा और पुलिस उपाधीक्षक जितेंद्र सिंह मेड़तिया गुलाबपुरा का विशेष सहयोग रहा।

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रमः अब तक 14 लाख 32 हजार 702 गणना प्रपत्र हुए डिजिटाइज

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

जिला निर्वाचन अधिकारी जसमीत सिंह संधू के निर्देशन में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 के गणना चरण के दौरान गणना प्रपत्रों को डिजीटाइज किया जा रहा है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदाताओं से गणना प्रपत्र भरने की अपील की है।

मंगलवार को शाम 4 बजे तक जिले में कुल 14 लाख 32 हजार 702 गणना प्रपत्रों को डिजीटाइज किया गया। जिले के आसींद विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 37 हजार 133, माण्डल में 2 लाख 12 हजार 856, सहाड़ा में 2 लाख 11 हजार 67, भीलवाड़ा 1 लाख 59 हजार 921, शाहपुरा 2 लाख 10 हजार 209, जहाजपुर में 1 लाख 94 हजार 44, माण्डलगढ़ में 2 लाख 7 हजार 472 गणना प्रपत्रों को डिजीटाइज किया गया।

एडीपीसी कल्पना शर्मा ने किया विद्यालय निरीक्षण

भीलवाड़ा फोकस @ काछोला ।

समग्र शिक्षा की अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक कल्पना शर्मा ने संबलन एवं परीक्षा निरीक्षण के तहत क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने माता जी का खेड़ा, राजगढ़, सरथला, भील बस्ती काछोला, मधुपुरिया और धामनिया सहित कई विद्यालयों में पहुंचकर व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

निरीक्षण में परीक्षा व्यवस्थाएं एवं संबलन कार्य संतोषजनक पाए गए। शर्मा ने उपस्थित कार्मिकों को परीक्षा कार्य और अधिक प्रभावी एवं समयबद्ध रूप से करने के निर्देश दिए। साथ ही संबंधित बीएलओ को भी प्रगति में सुधार एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक निर्देश प्रदान किए। निरीक्षण के दौरान विद्यालय स्टाफ और स्थानीय शिक्षाकर्मी मौजूद रहे।

शक्करगढ़ में परमहंस संत ब्रह्मलीन अमराव महाराज के प्रथम निर्वाण महोत्सव का हुआ भव्य शुभारंभ

भीलवाड़ा फोकस @ शक्करगढ़।

श्री संकट हरण हनुमत धाम एवं श्री संकटमोचन आदर्श गोशाला परिसर में परमहंस संत ब्रह्मलीन अमराव महाराज 'निरंजनी' के प्रथम निर्वाण महोत्सव का शुभारंभ मंगलवार को भव्य शोभायात्रा के साथ हुआ। सुबह मेज नदी तट पर वृंदावन के आचार्य पंडित मुकेश शास्त्री के निर्देशन में विधिवत पूजा-अर्चना के बाद विशाल कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें सैकड़ों महिलाओं ने सिर पर मंगल कलश धारण कर सहभागिता निभाई।

यात्रा मार्ग में विभिन्न समाजों द्वारा बनाए गए स्वागत द्वारों पर पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया गया। दो अश्व रथ शोभायात्रा का विशेष आकर्षण रहे , पहले पर निर्वाण पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर विशोकानंद भारती और दूसरे पर हरिद्वार के महामंडलेश्वर आनंद चैतन्य सरस्वती महाराज विराजमान थे। शोभायात्रा के अंत में संत अमराव महाराज की दिव्य झांकी सजाई गई, जिस पर उनके कृपापात्र शिष्य चंवर सेवा कर रहे थे। मार्ग में कई स्थानों पर भक्तों ने संत अमराव महाराज के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

शोभायात्रा में महामंडलेश्वर आचार्य स्वामी जगदीश पुरी महाराज, ब्रह्मचारी आचार्य हंस चैतन्य, ब्रह्मचारी नारायण चैतन्य और ब्रह्मचारी परमानंद चैतन्य भी शामिल रहे। गोशाला परिसर पहुँचने पर कथा यजमानों द्वारा व्यासपीठ पूजन के बाद स्वामी जगदीश पुरी महाराज, महामंडलेश्वर विशोकानंद भारती और महामंडलेश्वर आनंद चैतन्य सरस्वती महाराज ने दीप प्रज्वलित कर नौ दिवसीय आध्यात्मिक कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उद्बोधन में महामंडलेश्वर विशोकानंद भारती ने स्वामी जगदीश पुरी महाराज को आध्यात्मिक चेतना का साक्षात् स्वरूप बताते हुए कहा कि उनके मुखारविंद से श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण भक्तों के लिए सौभाग्य का विषय है। तत्पश्चात स्वामी जगदीश पुरी महाराज ने मंगलाचरण के साथ कथा का प्रारंभ किया। कार्यक्रम संचालन स्वामी सोहम चैतन्य पुरी महाराज द्वारा किया गया।

आश्रम के मीडिया प्रभारी सुरेंद्र जोशी ने बताया कि 27 नवम्बर को रात्रि 8 बजे कवि बुद्धि प्रकाश दाधीच की संगीतमय प्रस्तुति 'श्रीबुद्धिप्रकाशम्' होगी। 2 दिसम्बर को सुबह 8:15 बजे गीता जयंती एवं ब्रह्मलीन गुरुदेव अमराव महाराज की मूर्ति प्रतिष्ठा संपन्न होगी तथा रात्रि 8 बजे संगीत सम्राट प्रकाश दास महाराज की भजन संध्या होगी।

3 दिसम्बर को श्रद्धांजलि सभा, पुष्पांजलि और पूर्णाहुति भंडारे के साथ महोत्सव का समापन किया जाएगा।

QUICK BITES

विधायक डॉ. लालाराम आज करेंगे जन-सुनवाई

भीलवाड़ा फोकस @ शाहपुरा

शाहपुरा -बनेड़ा क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों व आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए विधायक डॉ. लालाराम बैरवा बुधवार को शाहपुरा में जन-सुनवाई करेंगे।

जन-सुनवाई का आयोजन सुबह 9 बजे से विधायक कार्यालय, पंचायत समिति परिसर में किया जाएगा। इस दौरान वे क्षेत्रवासियों की समस्याएं सुनेंगे, संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश देंगे तथा विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा भी करेंगे।इसके साथ ही विधायक बैरवा कार्यकर्ताओं से भी मुलाकात कर संगठनात्मक गतिविधियों व स्थानीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे। क्षेत्र के लोगों में जन-सुनवाई को लेकर उत्साह देखा जा रहा है, ताकि अपनी समस्याओं व सुझावों को सीधे विधायक तक पहुंचा सकें।

अग्रवाल भाजपा के जिला कोषाध्यक्ष, मानसिंहका सह कोषाध्यक्ष मनोनीत

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा ।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ एवं प्रदेश कोषाध्यक्ष पंकज गुप्ता के निर्देशानुसार जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा ने जिला कोषाध्यक्ष पद पर ललित अग्रवाल एवं सह कोषाध्यक्ष पद पर पंकज मानसिंहका को मनोनीत किया है।

नाले की बदहाली से बढ़ी परेशानी, साँप-मच्छरों का खतरा बढ़ा

भीलवाड़ा फोकस @ शाहपुरा

शहर के वार्ड 18-19 के खटीक मोहल्ले में नाले की लंबे समय से उपेक्षा लोगों के लिए बड़ी समस्या बन गई है। बारिश के बाद नाले में भरे पानी में बबूल, झाड़ियाँ और कचरा जमा होने से जलभराव स्थायी रूप ले चुका है, जिससे मच्छरों, गंदगी और जोकों का प्रकोप बढ़ गया है।

स्थिति इतनी गंभीर है कि झाड़ियों और पानी के चलते साँप घरों तक पहुँच रहे हैं, जिससे छोटे बच्चों वाले परिवार लगातार भय में हैं। कुछ समय पहले डेंगू से एक महिला की मौत हो चुकी है, जिसके बाद मोहल्ले में दहशत का माहौल है।

निवासियों ने कई बार शिकायतें करने के बावजूद कार्रवाई न होने पर नाराजगी जताई है। उनकी मांग है कि प्रशासन तुरंत नाले की सफाई कर पानी की निकासी करवाए और भविष्य में नाले को ढककर स्थायी समाधान दे। मोहल्लेवासियों ने वार्ड को सुरक्षित और स्वच्छ बनाने के लिए त्वरित कार्रवाई की अपील की है।

अवैध बजरी से भरे ट्रैक्टर खेतों में घुसाए, किसानों ने थाने में दी रिपोर्ट

भीलवाड़ा फोकस @ बीगोद।

खेतों में अवैध बजरी से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली घुसाकर फसल को नुकसान पहुंचाने पर किसानों में रोष व्याप्त हो गया। किरो की झोपड़ियां निवासी भेरूलाल कीर सहित कई किसानों के खेतों में देर रात बजरी से लदे ट्रैक्टर डाल दिए गए, जिससे रबी की खड़ी फसल क्षतिग्रस्त हो गई।

पीड़ित किसानों बाबूलाल कीर, दुर्गालाल कीर, श्रवण कीर ने पुलिस थाने पहुंचकर प्रकरण की रिपोर्ट दर्ज करवाई और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

गौरतलब है की त्रिवेणी संगम स्थित श्मशानघाट में अवैध रूप से बजरी खोदने की घटनाएं सामने आई हैं। ग्रामीणों ने बताया कि यह कार्य न सिर्फ अवैध है, बल्कि धार्मिक आस्था के भी विरुद्ध है। श्मशानघाट परिसर में बजरी दोहन रोकने की मांग को लेकर भी रिपोर्ट दी गई है।ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

स्वत्वाधिकारी एवं प्रकाशक कपिल विजयवर्गीय के लिए मुद्रक वेदान्त प्रभाकर मेधा कप्यूटर्स एण्ड ऑफसेट प्रिन्टर्स नंदभवन, बड़े पार्क के पास, कांवाखेड़ा भीलवाड़ा (राज.)से मुद्रित व मकान न. - 1 ए - धानमंडी योजना, कोर्ट केसामने बिजौलिया , भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। संपादक - श्याम सुन्दर विजयवर्गीय । मो. 8696795959, RNI No. : RJHIN/25/A0890 किसी भी प्रकार के वाद विवाद का न्याय क्षेत्र बिजौलिया जिला - भीलवाड़ा ही रहेगा।